Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

बृज के नन्दलाला

बृज के नन्दलाला, राधा के साँवरिया,
सब दुख दूर हुऐ, जब तेरा नाम लिया ॥

मीरा पुकारे जब, गिरिधर गोपाला,
ढल गया अमृत में, विष का भरा प्याला,
कौन मिटाये उसे, जिसे तू राखे पिया ॥१॥
सब दुख दूर हुऐ . . .

जब तेरे गोकुल पे, आया दुख भारी,
एक इशारे पे, सब विपता टारी,
मुड़ गया गोवरधन, तूने जित मोड़ लिया ॥२॥
सब दुख दूर हुऐ . . .

नयनों में शाम बसे, मन में बनवारी,
सुध बिसराऐ गई, मुरली की धुन प्यारी,
मन के मधुबन में, रास रचाए रसिया ॥३॥
सब दुख दूर हुऐ . . .

www.shreeramsharnam.org / www.ibiblio.org/ram